Answer-No-6

पम्प के कार्य := पम्प में आन्तरनोदक के केन्द्र पर द्रव प्रवेश करता है। इस प्रवेश को नेत्र कहते है। इसलिए इसी स्थान पर चूषण पाइप लगा रहता है। शंखावर्त के निकास पर प्रदाय पाइप लगा रहता है। यहीं से द्रव बाहर निकलता है। चलाने से पहले इस पम्प में से हवा को बाहर निकालना आवश्यक होता है। इसलिए पम्प में पिन्हान (Priming) की जाती है। अतः पम्प के चूषण पाइप तथा आवरण आदि में द्रव भरा जाता है। इस प्रकार एक पम्प एक प्रतिवर्तित या रिवर्स्ड प्रतिक्रिया टरबाइन की भांति द्रव से भरकर क्रिया करता है।